

जाओ रघुवर प्यारो आ रघुकुल जो उज्यारो आ ॥  
चेट जी नौमी आई आ घर घर मंगल वाधाई आ  
फूली कौशल्या मैया बालु जाओ सुखदाई आ  
धर्म सेतु रखवारो आ माता नयनि तारो आ ॥  
आयो विसु जो वाली आ हरहंधि थी हरयाली आ  
नभ धरणी अ जै धुनि थियड़ी छाई प्रेम जी लाली आ  
साहिबु साकेत वारो आ अवतारनि अवतारो आ ॥  
बादल जियं छबि सुन्दर आ सभनी गुणनि जो मन्दरु आ  
कोट सूरज जियं तेज भरियो मानो भूमि पुरन्दर आ  
शौकति शानु न्यारो आ नवनि खण्डनि नामियारो आ ॥  
अमड़ि तोखे द्रियूं वाधाई जिए लालु तुंहिजो रघुराई  
भरत लखण रिपुसूदन सां बाल केल करे सुखदाई  
प्रेमियुनि प्राण आधारो आ रसिकनि जो रिझवारो आ ॥  
कमल खां कोमल बालकु रामु सरल सनेही शोभा धाम  
दशरथ नन्दन जग वन्दन आहे आनंद कंद अभिराम  
मैगसि चंद मनठारो आ जै जस में सोभारो आ ॥

विजयी वीरु करारो आ वेद विद्या जो सतारो आ  
भक्तनि जीअ जियारो आ सूरज कुल जो सतारो आ  
कौशल जो करतारो आ दीननि बंधु दातारो आ  
दशरथ बहुगुण ब़ारो आ सारे जग उज्यारो आ ॥  
चमकियो नूरु नूरानी आ मटु न जंहिजो शानी आ  
दशरथ जो दिल जानी आ रुप शील गुण खानी आ  
प्रणत पालु वद दानी आ जंहिजी अकथ कहानी आ  
महिमा महित् महानी आ गाए शारदा सकुचानी आ ॥  
शिव मानस सैलानी आ भक्त अभय वरदानी आ  
प्यारो अवध विहारी आ सन्तनि जो सुखकारी आ  
माता गोद कलौली आ सुधा सरस जंहिजी ब़ौली आ  
चइनि भाउनि जी टौली आ मिली आशीशुनि झौली आ॥  
खाणि खुशियुनि जी खौली आ महिमा अतुल अमौली आ  
पहिरी पीली चौली आ दिनी सुमित्रा लौली आ  
सदिके गरीबि गौली आ जेका श्रीखण्डजी हम जौली आ॥